आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 128 | उज्जैन, मंगलवार 01 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

जल संवर्धन के साथ उसका संरक्षण आज की महती आवश्यकता- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अभियान में अधिक से अधिक हो जन-भागीदारी नवीन जल संरचनाओं के निर्माण के साथ पुरानी जल संरचनाओं का हो जीर्णोद्धार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकतंत्र में जनता ही सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। जनता को साथ लेकर प्रदेश के चहुँमुखी विकास की ओर हम आगे बढ़ रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट निर्माण में भी प्रदेश की जनता को जोड़ते हुए उनसे सुझाव आमंत्रित किये गये। प्रदेश में सभी प्रमुख त्यौहार भी प्रदेशवासियों को साथ लेकर मनाने की शुरूआत की गई है। अब 30 मार्च से प्रारंभ हुए राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान में भी जन-भागीदारी को प्राथमिकता के साथ जोड़ा गया है। जल संकट को दूर करने बारिश के जल को अधिक से अधिक संग्रहण करने 30 मार्च से प्रांत व्यापी ÷जल गंगा संवर्धन'' अभियान की शुरूआत की गई है। यह अभियान 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ÷जल गंगा संवर्धन'' अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ महाकाल की नगरी उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट से किया गया। इसमें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री डॉ. अर्जुनराम मेघवाल भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का ÷जल गंगा संवर्धन÷ महा अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। इस दौरान प्रति दिन छोटी-बड़ी जल संरचनाएं निर्मित कर लोकार्पित की जाएंगी। जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश के भू-जल स्तर में सुधार आएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से मानवता ही नहीं समूची प्रकृति का जीवन अस्तित्व बचाए रखने के लिए पानी की बूंद-बूंद बचाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बन चुका है। राज्य सरकार भी खेत का पानी खेत में-गांव का पानी गांव में के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

एक ही पद पर लंबे समय तक न रहें अधिकारी, संसद समिति ने की सिफारिश; रिपोर्ट में लिखा- इससे भ्रष्टाचार बढ़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय पर संसदीय स्थायी समिति ने कहा है कि अधिकारियों के लंबे समय तक एक ही पद पर बने रहने से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। लिहाजा नीति के अनुसार तत्काल सभी तबादले किए जाने चाहिए और कोई भी अधिकारी किसी भी मंत्रालय में निर्धारित समय सीमा से अधिक नहीं रहे।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) से संबंधित अनुदान मांगों (2025-26) पर 27 मार्च को संसद में पेश अपनी 145वीं रिपोर्ट में समिति ने कहा कि सभी अधिकारियों के लिए एक रोटेशन नीति रही है, लेकिन इसे पूरी तरह लागू नहीं किया जा रहा।

8-9 साल से तैनात हैं अधिकारी- ऐसे भी अधिकारी हैं जो अनुकूल मंत्रालयों या स्थानों पर आठ-नौ वर्षों से अधिक समय से तैनात हैं, खासकर आर्थिक एवं संवेदनशील मंत्रालयों में। ये अधिकारी संगठन प्रमुखों के चार-पांच बार बदल जाने के बावजूद अपने पद पर बने हुए हैं। इस प्रवृत्ति का आंकलन किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे उदाहरण भी सामने आए हैं जिनमें अधिकारियों ने अपनी पोस्टिंग में इतनी चतुराई का इस्तेमाल किया है कि उनका पूरा करियर एक ही मंत्रालय में रहा है।

डंकी रूट से अमेरिका भेजने वाला एक आरोपी गिरफ्तार, एनआईए ने खोला कच्चा-चिट्ठा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को कुख्यात डंकी रूट के माध्यम से एक व्यक्ति को अवैध रूप से अमेरिका भेजने में कथित रूप से शामिल एक प्रमुख आरोपी को गिरफ्तार किया।

माना जाता है कि डंकी शब्द गधा शब्द से उत्पन्न हुआ है, जो एक अवैध मार्ग को संदर्भित करता है, जिसे अप्रवासी उचित दस्तावेज के बिना संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में प्रवेश करने के लिए अपनाते हैं। उनकी जोखिम भरी और कठिन यात्रा आमतौर पर मानव तस्करी सिंडिकेट द्वारा सुगम बनाई जाती है।

अमेरिका जाने के लिए 45 लाख दिए- एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर निवासी आरोपी गगनदीप सिंह उर्फ गोल्डी को एनआईए ने गिरफ्तार किया है। इसमें कहा गया है कि गोल्डी को पंजाब के तरनतारन जिले के एक पीड़ित ने अवैध इमीग्रेशन के लिए कथित तौर पर लगभग 45 लाख रुपये का भुगतान किया था।

कानून को विज्ञान और तकनीक का लेना होगा सहारा, NFSU के कार्यक्रम में बोले जस्टिस कोटिश्वर सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय के न्याय अभ्युदय- टेक्नो-लीगल फेस्ट के समापन समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि न्याय प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने की खातिर कानून को विज्ञान और तकनीक का सहारा लेना चाहिए।

बुनियादी सुविधाओं का किया दौरा- जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह ने उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई) समेत विभिन्न अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाओं का भी दौरा किया। उन्होंने एनएफएसयू के स्वदेशी उत्पादों को भी देखा। उन्होंने अपने संबोधन में कानून की प्रासंगिकता बनाए रखने और उसे समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप ढालने की आवश्यकता पर बल दिया।

न्याय प्रणाली को मजबूत करना होगा- जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह ने कहा कि मौजूदा समय में कानून को वैज्ञानिक सटीकता के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में उन्होंने फोरेंसिक क्षेत्र में एनएफएसयू के प्रयासों की सराहना की और कहा कि अकेले कानून अधूरा है। न्याय प्रदान करने की प्रणाली को और मजबूत बनाने के लिए कानून को विज्ञान और तकनीक का सहारा लेना चाहिए। इससे न केवल कार्यकुशलता बढ़ाने में मदद मिलेगी, बल्कि न्याय भी अधिक कुशल बनेगा।

अपनी पिछली यात्रा को किया याद - उन्होंने एनएफएसयू की अपनी पिछली यात्रा को भी याद किया और एनएफएसयू के शैक्षिक, अनुसंधान, जांच, प्रशिक्षण जैसे कार्यों की सराहना की। एनएफएसयू को देशभर में विशेष स्थान दिलाने के लिए कुलपति डॉ. जेएम व्यास के दूरदर्शी प्रयासों को भी सराहा।

गंगा नदी में प्रदूषण का मामला, बिहार सरकार को राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें बिहार सरकार पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया था। एनजीटी ने गंगा नदी के प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण से संबंधित मामले में अपने निर्देशों का पालन नहीं करने और उचित सहायता नहीं करने के लिए बिहार सरकार पर यह जुर्माना लगाया था।

एनजीटी ने पिछले साल 15 अक्टूबर को पारित अपने आदेश में बिहार के मुख्य सचिव को गंगा नदी में प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों के बारे में उसे अवगत कराने के लिए वीडियो कांफ्रेंस के जरिये अपने समक्ष पेश होने का भी निर्देश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट में हुई मामले की सुनवाई- जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ ने एनजीटी के आदेश को चुनौती देने वाली बिहार सरकार की याचिका पर सुनवाई की। पीठ ने इस मामले में केंद्र और अन्य हितधारकों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर याचिका पर जवाब मांगा है।

गंगा में प्रदूषण के रोकथाम पर काम कर रहा एनजीटी- एनजीटी गंगा नदी के प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण के मुद्दे पर विचार कर रहा है। इस मामले को राज्यवार तरीके से देखा जा रहा है, जिसमें वे सभी राज्य और जिले शामिल हैं जहां से गंगा और उसकी सहायक नदियां बहती हैं। एनजीटी ने अपने आदेश में कहा था कि उसने पहले बिहार में गंगा और उसकी सहायक नदियों के जल की गुणवत्ता के मुद्दे पर विचार किया था।

डिस्कॉम के लिए फिर आएगी उदय जैसी स्कीम? ऊर्जा मंत्रालय की क्यों बढ़ रही चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। विगत दो वर्षों में देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर बकाये की राशि 1.39 लाख करोड़ रुपये से घट कर तकरीबन 25 हजार करोड़ रुपये (दिसबंर, 2024) रह गई है।

इन दो वर्षों में डिस्कॉम को ट्रांसमिशन व वितरण (टीएंडडी-चोरी आदि) से होने वाली हानि का स्तर भी 22 फीसद से घट कर 16 फीसद पर आ गया है, लेकिन इन आंकड़ों के आधार पर इस आकलन पर मत पहुंचिए कि डिस्काम की वित्तीय स्थिति ठीक है।

बारिश की बूंदों को बचाएं, मन की बात के 120वें एपिसोड में बोले पीएम मोदी; भाखड़ा नंगल डैम का दिया उदाहरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। गर्मियां शुरू हो चुकी हैं। बारहमासी हो चुकी पेयजल समस्या इन दिनों अपने चरम पर हो जाती है। भारतीय नववर्ष और चैत्र नवरात्र के साथ ही गुड़ी पाड़वा, रोंगाली बिहू, पोइला बोइशाख, नवरेह व ईद की शुभकामनाएं देते हुए रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 120वें एपिसोड में इसी समस्या के निदान को केंद्र बिंदु में रखा।

गर्मी के मौसम में जल संरक्षण के महत्व को समझाते हुए उन्होंने कैच द रेन अभियान का उल्लेख किया। कहा- पिछले सात-आठ वर्षों में इसके तहत देशभर में 1,100 करोड़ क्यूबिक मीटर से अधिक जल का संरक्षण हुआ है।

24.24 लाख जल निकायों का सर्वेक्षण

पीएम ने कहा कि जलशक्ति मंत्रालय और विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं इस दिशा में सक्रिय हैं। देश में हजारों कृत्रिम तालाब, चेक डैम, बोरवेल रीचार्ज और कम्युनिटी सोक पिट का निर्माण हो रहा है। अभियान के तहत पहली बार 24.24 लाख जल निकायों का सर्वेक्षण किया गया है। उन्होंने कहा कि बारिश की बूंदों को बचाकर हम बहुत सारा पानी बर्बाद होने से रोक सकते हैं।

भाखड़ा नंगल डैम का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि इस बांध में जमा पानी गोबिंद सागर झील का निर्माण करता है, जो 90 किलोमीटर लंबी है। इस झील में भी नौ-दस अरब घन मीटर से ज्यादा पानी संरक्षित नहीं हो सकता है, जबकि देशवासियों ने अपने छोटे-छोटे प्रयासों से देश के अलग-अलग हिस्सों में 11 अरब घन मीटर पानी का संरक्षण कर लिया।

टेक्सटाइल वेस्ट की भी चर्चा- उन्होंने कर्नाटक के गडग जिले में पुनर्जीवित की गई दो झीलों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सामुदायिक प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है। मोदी ने टेक्सटाइल वेस्ट की चर्चा करते हुए कहा कि दुनियाभर में पुराने कपड़ों को जल्द से जल्द हटाकर नए कपड़े लेने का चिंताजनक चलन जोर पकड़ रहा है। इससे टेक्सटाइल वेस्ट बढ़ रहा है।

एक शोध में सामने आया है कि एक प्रतिशत से भी कम टेक्सटाइल वेस्ट को नए कपड़ों में री-साइकिल किया जाता है। भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश है, जहां सबसे ज्यादा टेक्सटाइल वेस्ट निकलता है, यानी चुनौती बड़ी है। प्रधानमंत्री ने इससे निपटने के लिए चल रहे प्रयासों को सराहा। कहा- पानीपत टेक्सटाइल री-साइक्लिंग के ग्लोबल हब के रूप में उभर रहा है। बेंगलुरु भी इनोवेटिव टेक साल्यूशंस से अपनी पहचान बना रहा है।

अमेरिका में अंडे की कीमतों में लगी आग, एक दर्जन की कीमत जानकर चौंक जाएंगे आप; महंगाई के पीछे क्या है वजह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप दूसरे देशों पर टैरिफ पर टैरिफ लगा रहे हैं। भारत सहित कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का फैसला करने वाले डोनाल्ड ट्रंप की सिरदर्दी अंडे ने बढ़ा रखी है। जी हां! दुनिया के समस्याओं को सुलझाने का दावा करने वाले अमेरिकी प्रशासन देश में बढ़ते अंडे की कीमतों से परेशान है।

अमेरिका में अंडे की कीमत आसमान छू रही है। हालात इतनी बदतर हो चुकी है कि लोग मेक्सिको और कनाडा जैसे देशों से लोग अंडों की तस्करी तक कर रहे हैं। कुछ शहरों में एक दर्जन अंडे की कीमत 10 डॉलर (करीब 870 रुपये) तक पहुंच गई है।

क्यों बढ़ी अंडे की कीमत- अब यह भी जान लें कि अमेरिका में अचानक अंडे की कीमतों में आग क्यों लगी हुई है। दरअसल, बर्ड फ्लू H5N1 या एवियन इन्फ्लूएंजा महामारी प्रकोप की वजह से अमेरिका में साल 2022 से लेकर अब तक करीब 15 करोड़ से ज्यादा पक्षियों को मार दिया गया। इस साल फरवरी महीने में 1.9 करोड़ मुर्गियों की हत्या कर दी गई। नतीजा ये हुआ कि अंडे की सप्लाई कम हो गई।

ट्रंप ने कई देशों से मांगी मदद- फिलहाल अमेरिका, यूरोप के कई देशों से अंडे खरीदने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका ने तुर्किए और दक्षिण कोरिया से भी अंडे खरीदने की इच्छा जाहिर की है। सबसे बड़ी चिंता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कई देशों पर टैरिफ और रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का एलान कर दिया है, जिसकी वजह से अंडे खरीदना अमेरिका के लिए इतना आसान नहीं है।

वहीं, अंडों को सही ढंग से दूसरे देशों से अमेरिका तक लाना किसी चुनौती से कम नहीं है। बता दें कि पोलैंड, फिनलैंड और डेनमार्क ने अमेरिका के अंडे आयात करने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है।

अंडों की कीमतों में देखी जा रही गिरावट- अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि थोक अंडों की कीमतों में गिरावट शुरू हो गई है।

मैं पुतिन से नाराज हूं ट्रंप ने रूस पर 25% टैरिफ लगाने की दी धमकी; भारत और चीन पर पड़ सकता असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से नाराज हैं। ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर पुतिन यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने पर सहयोग नहीं देते हैं तो वे रूसी तेल पर अतिरिक्त टैरिफ लगाएंगे।

ट्रंप ने कहा कि जब पुतिन ने जेलेंस्की की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना शुरू किया तो मैं बहुत नाराज हुआ, क्योंकि यह सही दिशा में नहीं हो रहा था। मीट द प्रेस की होस्ट वेल्कर के साथ इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि रूस यूक्रेन में नया नेतृत्व चाहता है। मगर नए

नेतृत्व का मतलब यह है कि आप लंबे समय तक कोई समझौता नहीं कर पाएंगे।

रूसी तेल पर टैरिफ लगाएंगे- सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने धमकी दी है कि समझौता नहीं होने पर रूस पर द्वितीयक टैरिफ लगाई जा सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर रूस और मैं यूक्रेन में रक्तपात रोकने के लिए कोई समझौता करने में असमर्थ हैं। अगर मुझे लगता है कि यह रूस की गलती की वजह से हुआ है तो मैं रूस से आने वाले सभी तेल पर द्वितीयक टैरिफ लगाऊंगा।

पुतिन से बातचीत को तैयार हैं ट्रंप- जब उनसे पूछा गया कि अगर रूस ने सही काम किया तो क्या आप पुतिन से बात करेंगे? ट्रंप ने हां में जवाब दिया। ट्रंप ने होस्ट वेल्कर को बताया कि पुतिन को पता है कि मैं नाराज हूं। 25 फीसदी टैरिफ का एलान किसी भी वक्त हो सकता है। मैं इस हफ्ते पुतिन से बात करने की योजना बना रहा हूं। ट्रंप के बयान पर अभी तक रूस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मगर वह पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों को कई बार अवैध करार चुका है।

हमास से निपटने के लिए नेतन्याहू ने बनाया प्लान! कहा- गाजा छोड़कर चले जाओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में युद्धविराम के लिए हमास द्वारा मध्यस्थों का प्रस्ताव वार्ता के लिए स्वीकार करने के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हमास को निशस्त्र किए जाने से कम कुछ भी स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि हमास के बड़े नेताओं को गाजा छोड़कर जाना होगा। इसके बाद गाजा की सुरक्षा की जिम्मेदारी इजरायल संभालेगा। नेतन्याहू ने कहा कि अपने बंधक नागरिकों को छुड़वाने के लिए इजरायल हमास पर दबाव बढ़ाता जाएगा।

नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा को लेकर तैयार स्वत- गाजा छोड़ने की योजना के लिए तैयार हैं। इस योजना में फलस्तीनियों को गाजा छोड़कर अन्यत्र जाना होगा और इसके बाद अमेरिका गाजा का विकास करेगा। इस पर प्रतिक्रिया में हमास के वरिष्ठ नेता सामी अबू जुहरी ने कहा है कि नेतन्याहू का बयान क्षेत्र में तनाव और अंतहीन अशांति बनाए रखेगा। जबकि शनिवार को हमास के नेता खलील अल-हाया ने कहा था कि उनका संगठन हर सप्ताह पांच इजरायली बंधकों को छोड़ने के प्रस्ताव को स्वीकार कर सकता है, लेकिन पूरी तरह से हथियार डालने की मांग हमारे लिए रेडलाइन की तरह है, जिसे हम स्वीकार नहीं कर सकते।

बैंकॉक की 33 मंजिला इमारत ढहने के पीछे चीन का हाथ? सरकार ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार में बीते दिनों 7.7 तीव्रता का तेज भूकंप आया, जिसमें 1000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। इस भूकंप ने पूरे देश में काफी तबाही मचाई थी। भूकंप से थाईलैंड के बैंकॉक में 33 मंजिला गगनचुंबी इमारत ढह गई। अब ये भूकंप कैसे आया, क्यों आया इसको लेकर जांच की जा रही है।

थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने शनिवार को ढहने वाली जगह का दौरा किया और घटना की तुरंत जांच के आदेश दिए, जिससे कई लोगों में यह जिज्ञासा पैदा हो गई कि आखिर इस गगनचुंबी इमारत में क्या गड़बड़ी हुई, इसका निर्माण एक चीनी कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम द्वारा किया जा रहा था। मामले में चीन समर्थित एक निर्माण फर्म की जांच की जा रही है।

निश्चित रूप से कुछ गड़बड़ है- यह 33 मंजिला ऊंची इमारत, क्रेन से घिरे होने के बावजूद, भूकंप के तीव्र झटकों में ढह गई। अब तक, गगनचुंबी इमारत के मलबे से आठ शव बरामद किए गए हैं। गगनचुंबी इमारत इतनी जल्दी कैसे और क्यों ढह गई, इस पर सवाल उठने लगे हैं।

मैं मजाक नहीं कर रहा हूं, ट्रंप के नए बयान से अमेरिका में खलबली; तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की जताई इच्छा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के नए बयान से अमेरिका में खलबली है। डोनाल्ड ट्रंप ने एक इंटरव्यू में तीसरी बार चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है। उनका कहना है कि संवैधानिक रोक के बावजूद भी वह तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ सकते हैं। ट्रंप के इस बयान ने अमेरिका में नई बहस छेड़ दी है।

मैं मजाक नहीं कर रहा हूं- डोनाल्ड ट्रंप ने एनबीसी न्यूज को रविवार को फोन पर एक इंटरव्यू दिया। इसी इंटरव्यू में उन्होंने यह बयान दिया। ट्रंप ने कहा कि ऐसे तरीके हैं, जिनकी मदद से आप ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं मजाक नहीं कर रहा हूं। मगर अभी इस बारे में सोचना बहुत जल्दी है।

दो बार से ज्यादा कोई नहीं बन सकता राष्ट्रपति- सीबीएस न्यूज के मुताबिक 1951 में अमेरिका में 22वां संविधान संशोधन किया गया था। इसके तहत कोई भी व्यक्ति दो बार से अधिक अमेरिका का राष्ट्रपति नहीं बन सकता है।

रूजवेल्ट के चार कार्यकाल के बाद लगी थी रोक- फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट के लगातार चार बार राष्ट्रपति बनने के बाद यह रोक लगाई गई थी। अब ट्रंप इसी कानून को चुनौती देने के मूड में है। अमेरिका में इस बात की चिंता बढ़ गई है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप 1951 के संविधान संशोधन को चुनौती देंगे।

ट्रंप की आलोचना भी हो रही- अमेरिका में ट्रंप के बयान की आलोचना भी हो रही है। प्रतिनिधि डेनियल गोल्डमैन ने इसे सरकार पर कब्जा करने और लोकतंत्र को खत्म करने के स्पष्ट प्रयास में इजाफा करार दिया।

म्यांमार में आए भूकंप में मारे गए 700 से ज्यादा मुस्लिम, नमाज पढ़ने के लिए घर से निकले थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यांमार में शुक्रवार को आए विनाशकारी भूकंप में कई लोगों की मौत हो गई। इस भूकंप में 1000 से ज्यादा लोगों की जान चली गई, म्यांमार के एक मुस्लिम संगठन का कहना है कि रमजान के पवित्र महीने में नमाज के समय देश में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में 700 से अधिक नमाजी मारे गए।

स्प्रिंग रिवोल्यूशन म्यांमार मुस्लिम नेटवर्क की संचालन समिति के सदस्य टुन की ने सोमवार को कहा कि देश के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले के पास आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में करीब 60 मस्जिदें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गईं। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मस्जिदों में मारे गए लोगों को भूकंप में अब तक मारे गए 1,700 से अधिक लोगों की आधिकारिक संख्या में शामिल किया गया है या नहीं।

भूकंप के दौरान गिरी कई मस्जिदें- इरावदी ऑनलाइन समाचार साइट पर पोस्ट किए गए वीडियो में भूकंप के दौरान कई मस्जिदें गिरती हुई दिखाई दे रही हैं और लोग इलाकों से भाग रहे हैं। टुन की ने कहा कि क्षतिग्रस्त हुई अधिकांश मस्जिदें पुरानी इमारतें थीं जो भूकंप के प्रति अधिक संवेदनशील थीं।

30 मंजिला इमारत जमींदोज- भूकंप से हुई तबाही का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक 30 मंजिला इमारत जमींदोज हो गई, जिसमें 43 मजदूर फंसे हुए हैं।

ऐसी बमबारी करूंगा..., ट्रंप ने ईरान को दी धमकी; तेहरान ने कहा- हमारी भी मिसाइलें तैयार हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। परमाणु डील नहीं करने पर ट्रंप ईरान पर भड़के हैं। उन्होंने सीधे धमकी दी है कि अगर ईरान ने हमारे साथ नया परमाणु समझौता नहीं किया तो ऐसी बमबारी करूंगा कि ईरान ने इससे पहले कभी नहीं देखी होगी। ट्रंप ने ईरान पर द्वितीयक टैरिफ लगाने की भी धमकी दी है।

ईरान की मिसाइलें लॉन्च को तैयार- ईरान ने भी अमेरिका को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी कर ली है। जानकारी के मुताबिक ईरान की सेना ने अपनी मिसाइलों को रेडी टू लॉन्च मोड पर तैनात कर दिया है। एक्स पोस्ट पर ईरान की सेना ने कहा कि ईरान की मिसाइलें सभी भूमिगत मिसाइल शहरों में लॉन्चरों पर लोड की गई हैं। वे लॉन्च को तैयार हैं। अमेरिका और उसके सहयोगियों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

भड़के ट्रंप... क्या करेंगे बमबारी- तेहरान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक ईरान भर में अंडरग्राउंड शहरों में लॉन्च को तैयार मिसाइलों की संख्या काफी अधिक है। हाल ही में ईरान ने अपने अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी का एक वीडियो भी जारी किया था। रविवार को ही ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर तेहरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर वाशिंगटन के साथ समझौता नहीं करता है तो उस पर बमबारी और द्वितीयक शुल्क लगाए जाएंगे।

आशा कार्यकर्ताओं ने क्यों काटे अपने बाल? एक साथ बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरीं महिलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में अपनी मांगों को लेकर आशा कार्यकर्ता पिछले 50 दिनों से आंदोलन कर रही हैं। सोमवार को उन्होंने बाल कटवाकर अपना विरोध प्रदर्शन दर्ज किया। केरल सचिवालय के पास बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता पहुंचीं और आंसू बहाते हुए इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए।

सचिवालय के सामने प्रदर्शन कर रही आशा कार्यकर्ता बाल कटवाने से पहले कुछ दूर तक पैदल चलीं। इसके बाद सरकार की उदासीनता के खिलाफ प्रदर्शन किया और भावनात्मक रूप से अपने बाल कटवाए। विरोध कर रही एक महिला ने तो केरल सरकार के विरोध में अपना सिर मुंडवा लिया।

क्या है आशा कार्यकर्ताओं की मांग- केरल में आशा कार्यकर्ता अपने वेतन में वृद्धि करने के लिए प्रदर्शन कर रही हैं। आशा कार्यकर्ता अपने मानदेय को 7000 से बढ़ा कर 21000 रुपये करने की मांग कर रही हैं। इसके साथ ही आशा कार्यकर्ताओं की मांग है कि 62 साल की उम्र में रिटायरमेंट होने के बाद उन्हें पांच लाख रुपये का एकमुश्त भुगतान किया जाए।

सड़कों पर आशा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन- प्रदर्शन कर रही एक आशा कार्यकर्ता मिनी ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, हम तब तक प्रदर्शन करेंगे जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं हो जाती हैं। मिनी का कहना है कि आशा कार्यकर्ताओं के प्रतिदिन 232 रुपये का वेतन मिलता है। हम अपनी जायज मांग के लिए लड़ रहे हैं। दुख की बात है कि राज्य सरकार ने हमारी मांगों को नजरअंदाज किया है। जब तक सरकार कोई सकारात्मक विचार नहीं करती है, हम प्रदर्शन करेंगे।

एक आशा कार्यकर्ता ने कहा कि हम कोई गलत मांग नहीं कर रहे हैं। हम सिर्फ वहीं मांग कर रहे हैं, जो राज्य सरकार ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया था कि वह मांगों को पूरा करेंगे। जब तक हमें कोई सकारात्मक परिणाम नहीं मिलता है हम यहीं रहेंगे।

अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स में अब ऐसे पैदा की जाएगी बिजली, जानें क्या है कोल्ड फ्यूजन तकनीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष में सेटेलाइट्स की उम्र बढ़ाने, उन्हें निर्बाध ऊर्जा प्रदान करने, उनके भार में कमी लाने और स्वच्छ ऊर्जा स्त्रोत प्रदान करने के उद्देश्य से विज्ञानी अब कोल्ड फ्यूजन तकनीक पर काम कर रहे हैं। हैदराबाद स्थित स्टार्ट-अप हाइलेनर टेक्नोलाजीज जल्द ही अंतरिक्ष में बिजली उत्पन्न करने के लिए इस तकनीक का प्रदर्शन करने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य पृथ्वी की कक्षा में सेटेलाइट्स के जीवन को बढ़ाना और उनका वजन कम करना है। साथ ही अंतरिक्ष में लंबी अवधि के मिशन को सक्षम बनाने और सौर ऊर्जा या अन्य ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भरता कम करने का भी इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

हाइड्रोजन फ्यूजन से पैदा होती है बिजली- हाइलेनर टेक्नोलाजीज ने कम ऊर्जा वाले परमाणु रिएक्टर (एलईएनआर) का परीक्षण करने के लिए एक अन्य नवोदित फर्म टेकमी2स्पेस सेटेलाइट्स के साथ समझौता किया है। एलईएनआर बिजली उत्पन्न करने के लिए हाइड्रोजन फ्यूजन का उपयोग करता है। कोल्ड फ्यूजन की अनूठी विशेषता यह है कि यह फ्यूजन रिएक्शन के लिए खपत की गई बिजली के मुकाबले अधिक बिजली उत्पन्न करता है।

असम के पूर्व गृह मंत्री की इकलौती बेटी ने दूसरी मंजिल से लगाई छलांग, अस्पताल पहुंचते ही हो गई मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के पूर्व गृह मंत्री भृगु कुमार फुकन की इकलौती बेटी ने खुदकुशी कर ली है। पुलिस ने जानकारी दी है कि घर की दूसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या की है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। भृगु कुमार फुकन का निधन साल 2006 में हो चुका है। उनकी 28 वर्षीय बेटी अपनी मां के साथ रहती थी।

मां के साथ रहती थी उपासना- पुलिस अधिकारी ने बताया कि उपासना फुकन (28) ने रविवार को गुवाहाटी के खरघुली इलाके में अपने घर की दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। यहां वे अपनी मां के साथ रहती थी। घटना के बाद तुरंत उन्हें गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उपासना को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

पहले भी की खुदकुशी की कोशिश- पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि वह लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थी। उपासना का इलाज भी चल रहा था। पुलिस के मुताबिक उपासना ने पहले भी खुदकुशी की कोशिश की थी। मगर इस बार मां घर के काम में व्यस्त थी। मौका देखते ही उपासना ने दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, इस टेंडर को रद करने की कर दी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर केरल, गुजरात और अंडामान एवं निकोबार द्वीप समूह के तटों पर अपतटीय खनन की अनुमति देने वाले टेंडरों को रद करन की मांग की है।

राहुल गांधी ने अपने पत्र के माध्यम से कहा कि ये टेंडर समुद्री जीवन के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि बिना किसी कठोर आकलन के निजी क्षेत्रों को टेंडर देना चिंताजनक हो सकता है। इससे तट पर रहने वाले और अपना पारंपरिक व्यवसाय करने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

राहुल गांधी ने पत्र में क्या लिखा- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखे अपने पत्र में कहा कि मैं केरल, गजरात और अंडामान निकोबार के तटों पर अपतटीय खनन की अनुमति देने के केंद्र सरकार के फैसले की कड़ी निंदा करता हूं।

बता दें कि राहुल गांधी ने कहा कि वह उस तरीके का विरोध कर रहे हैं, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किए बिना अपतटीय खनन के लिए टेंडर जारी किए गए। राहुल गांधी ने लिखा कि लाखों मछुआरों ने अपनी आजीविका और जीवन शैली पर पड़ने वाले इसके प्रभाव के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की है।

रविवार को सार्वजनिक किए गए पत्र में लोकसभा के नेता पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा कि मैं केरल, गुजरात और अंडामान निकोबार द्वीप समूह में अपतटीय खनन की अनुमति देने के केंद्र सरकार के फैसले की निंदा करता हूं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि यह अपतटीय खनन लाखों मछुआरों की आजीविका को प्रभावित करेगा और हमारे विविध समुद्री जीवन को अपूरणीय क्षति पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार को अपने फैसले को तुरंत वापस लेना चाहिए।

हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पास अचानक पहुंचा बुलडोजर, छात्रों ने खूब किया हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पास एक जमीन पर बुल्डोजर एक्शन को लेकर पुलिस और छात्र आमने-सामने आ गए। यूनिवर्सिटी के पास स्थित 400 एकड़ भूखंड को साफ करने वाली टीम के खिलाफ छात्रों ने प्रदर्शन किया। थोड़ी देर के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी ले लिया था।

दरअसल, मामला ये है कि इस जमीन को विकसित करने और वहां एक आईटी पार्क स्थापित करने की योजना बना रही है। कांचा गीचाबोवली में 400 एकड़ भूमि हैदराबाद विश्विधायल (यूओएच) के बॉर्डर पर है।

छात्रों ने क्यों किया विरोध प्रदर्शन - छात्रों ने पर्यावरण संबंधी चिंता जाहिर करते हुए पार्क स्थापित करने के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन किया। हैदराबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ (यूओएचएसयू) ने एक प्रेस रिलीज जारी कर प्रदर्शनकारी छात्रों को हिरासत में लेने की आलोचना की है।

यूनिवर्सिटी ने कहा कि जब छात्र विरोध करने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे थे, तो पुलिस कर्मियों ने कई छात्रों को जबरन हिरासत में लिया, उनके साथ दुर्व्यवहार किया। इस मौके पर 50 से ज्यादा छात्रों को हिरासत में लिया गया।

पत्रकार की गिरफ्तारी का केटी रामा राव ने किया विरोध- गौरतलब है कि इस विरोध प्रदर्शन को कवर कर रहे एक पत्रकार को भी हिरासत में लिया गया। पत्रकार की गिरफ्तारी पर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने चिंता जाहिर की।

उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना की और कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का ÷घोर दमन अस्वीकार्य है। पत्रकार सुमित को कथित तौर पर हैदराबाद विश्वविद्यालय में छात्रों की हिरासत की रिपोर्टिंग करते समय पुलिस ने हिरासत में लिया था।

कौन हैं PM मोदी की नई पर्सनल सेक्रेटरी निधि तिवारी, पहले भी प्रधानमंत्री के साथ किया काम; विदेश नीति में निभाया अहम रोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईएफएस अधिकारी निधि तिवारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निजी सचिव नियुक्त किया गया है। इस बात की जानकारी कार्मिक मंत्रालय ने एक आदेश जारी करते हुए दिया है।

29 मार्च को जारी आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने निधि तिवारी की निजी सचिव के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

निधि पहले भी कई अहम जिम्मेदारियां निभा चुकी हैं, जिसमें वो प्रधानमंत्री के साथ काम कर चुकी हैं।

कौन हैं निधि तिवारी- निधि तिवारी 2014 बैच की भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी हैं। तिवारी वर्तमान में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में उप सचिव के रूप में कार्यरत हैं। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा नियुक्त आईएफएस निधि तिवारी जनवरी 2023 से कार्यरत हैं। नवंबर 2022 में आईएफएस अधिकारी निधि प्रधानमंत्री कार्यालय में अवर सचिव के रूप में शामिल हुई और जनवरी 2023 से वह प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में डिप्टी सेक्रेटरी के रूप में कार्यरत हैं।

वाराणसी से है खास कनेक्शन- यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के दौरान निधि तिवारी वाराणसी में सहायक आयुक्त (वाणिज्य कर) के पद पर कार्यरत थीं। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में 96वीं रैंक हासिल की थी और वह उत्तर प्रदेश के वाराणसी के महमूरगंज की रहने वाली हैं।

अजीत डोभाल को करती थीं रिपोर्ट- आईएफएस निधि तिवारी ने विदेश मंत्रालय (एमईए) में निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के प्रभाग में भी काम किया है। विदेश मंत्रालय का यह प्रभाग राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को रिपोर्ट करता है।

आईएफएस निधि तिवारी प्रधानमंत्री मोदी की निजी सचिव बनने से पहले तीन साल से अधिक समय तक प्रधानमंत्री कार्यालय में कार्यरत रहीं। निधि तिवारी से पहले पीएम मोदी के पास दो निजी सचिव थे, जिनके नाम हार्दिक सतीशचंद्र शाह और विवेक कुमार थे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल तृतीया

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

संपादकीय

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मिशन बिहार 2025 पर पूरी तरह सक्रिय....

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मिशन बिहार 2025 पर पूरी तरह सक्रिय हो गए हैं। इसके लिए उन्होंने राजनीतिक बिसात भी बिछाना प्रारंभ कर दिया है। सरकारी योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यासों के साथ ही अपने इस मिशन के लिए उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगियों के साथ अपने समीकरणों को भी साधना प्रारंभ कर दिया है।

गृह मंत्री ने बिहार के पटना में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की 800 करोड़ रूपए से अधिक लागत वाली विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम में उन्होंने केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि विगत 10 साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के करोड़ों गरीबों के कल्याण के लिए कई काम किए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी सरकारों ने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने 10 साल में गरीबों को घर, बिजली, गैस, पेयजल, शौचालय, दवाएं और 5 किलो मुफ्त अनाज दिया है। श्री शाह ने कहा कि मोदी जी ने 80 करोड़ लोगों को प्रति माह प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त अनाज, 4 करोड़ लोगों को घर, 11 करोड़ गैस सिलेंडर, 12 करोड़ से अधिक शौचालय और 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसान, महिलाएं, डेयरी, मत्स्यपालन और कृषि से जुड़ी गतिविधियों को गति देने के लिए आज़ादी के 75 साल बाद देश में सहकारिता मंत्रालय का गठन किया।

उन्होंने कहा कि आज़ादी के 75 साल तक देश में किसी को भी सहकारिता को मज़बूत करने के बारे में सोचने की फुरसत नहीं थी। उन्होंने कहा कि बिहार, भूमि, जल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर राज्य है और आने वाले समय में इस राज्य को सहकारिता क्षेत्र का सबसे अधिक फायदा होगा।

इस पूरे कार्यक्रम में अमित शाह के निशाने पर विपक्ष रहा। उन्होंने कहा कि विपक्षी सरकारों के शासनकाल में बिहार में सहकारिता को पूरी तरह चौपट कर दिया गया था और सैकड़ों चीनी मिलें बंद हो गई थीं। उन्होंने कहा कि एक ज़माने में बिहार का चीनी उत्पादन देश के चीनी उत्पादन का 30 प्रतिशत से अधिक था जो विपक्षी सरकारों के कार्यकाल में घटकर 6 प्रतिशत से भी कम रह गया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार बिहार में बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित करने का काम करेगी।उन्होंने कहा कि 1990 से 2005 तक विपक्षी सरकारों ने बिहार में हत्या, अपहरण, फिरौती, डकैती और लूटपाट की एक इंडस्ट्री चलाई जिसने राज्य को पूरी तरह से बरबाद कर दिया। बिहार में विपक्षी सरकारों के शासनकाल में जातीय नरसंहार हुए, सत्तापोषित भ्रष्टाचार हुआ और चारा घोटाले से राज्य को देश और दुनिया में बदनाम करने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि विपक्षी सरकार को बिहार के इतिहास में हमेशा के लिए जंगलराज के रूप में जाना जाएगा।बिहार में नीतीश सरकार के 10 साल के कार्यकाल में हर गांव तक सड़क, बिजली और नल से जल पहुंचा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने घर, शौचालय, पानी, दवाएं, राशन देकर बिहार के गरीबों के कल्याण के काम किए हैं। उन्होंने कहा कि पिछली केन्द्र सरकार के 10 साल के कार्यकाल में बिहार को 2 लाख 80 हज़ार करोड़ रुपए दिए गए थे जबकि मोदी सरकार के 10 साल में बिहार को 9 लाख 23 हज़ार करोड़ रूपए दिए गए हैं। श्री शाह ने कहा कि बिहार में 4 लाख करोड़ रूपए के सड़क और पुल, 1 लाख करोड़ रूपए के रेलवे प्रोजेक्ट्स और 2 हज़ार करोड़ रूपए के एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 8 हज़ार करोड़ रूपए से बिहार में 7 बड़े पुलों का निर्माण हो रहा है, 31 हज़ार करोड़ रूपए से 5 हज़ार किलोमीटर लंबी रेल लाइन बन रही है और देश में पहली किसान रेल भी बिहार से ही शुरू हुई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बिहार में मखाना बोर्ड बनाया और बरौनी के खाद कारखाने सहित 766 अन्य प्रोजेक्ट भी केन्द्र सरकार की मदद से राज्य में शुरू हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का विकास का 20 साल का ट्रैक रिकॉर्ड है और अब यहां से जंगलराज समाप्त हो चुका है।

केशव बलिराम हेडगेवार

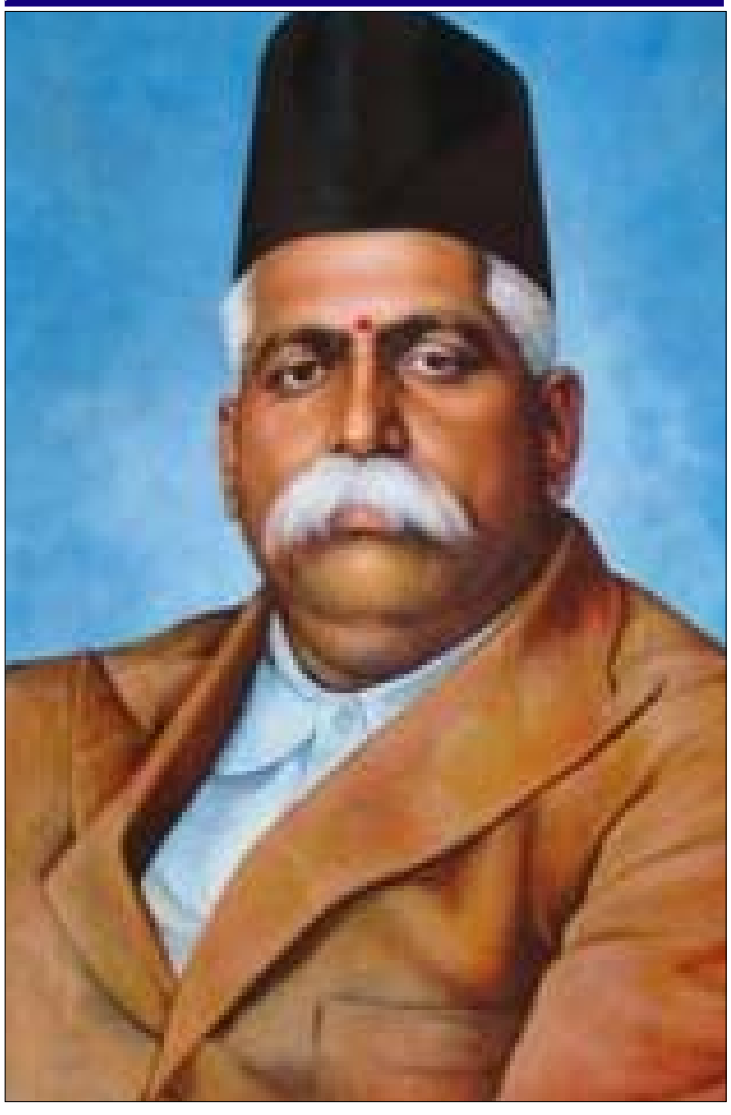

केशव बलिराम हेडगेवार भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने अपना समूचा जीवन हिन्दू समाज व राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया था। डॉ. हेडगेवार पहले क्रांतिकारी थे, किंतु बाद में हिन्दू संगठनवादी बन गए। वे जीवन के अंतिम समय तक हिंदुओं को एकता के सूत्र में बांधने के लिए अथक प्रयत्न करते रहे। उन्होंने हिंदुओं के संगठन के लिए ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। केशव बलिराम हेडगेवार अपने जीवन के प्रारंभ और मध्य काल में क्रांतिकारी थे। उनका अरविंद घोष, भाई परमानंद, सुखदेव एवं राजगुरु आदि महान क्रांतिकारियों से संपर्क था। विद्यार्थी जीवन में उन्होंने वन्दे मातरम आंदोलन चलाया था।

परिचय- डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जन्म 1 अप्रैल, 1889 को नागपुर के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। जब वह महज 13 साल के थे, तभी उनके पिता पंडित बलिराम पंत हेडगेवार और माता रेवतीबाई का प्लेग से निधन हो गया। उसके बाद उनकी परवरिश दोनों बड़े भाइयों महादेव पंत और सीताराम पंत ने की। शुरुआती पढ़ाई नागपुर के नील सिटी हाईस्कूल में हुई। लेकिन एक दिन स्कूल में वंदे मातरम् गाने की वजह से उन्हें निष्कासित कर दिया गया। उसके बाद उनके भाइयों ने उन्हें पढ़ने के लिए यवतमाल और फिर पुणे भेजा। मैट्रिक के बाद हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. एस. मूंजे ने उन्हें मेडिकल की पढ़ाई के लिए सन 1910 में कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) भेज दिया। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह 1915 में नागपुर लौट आए।

क्रांतिकारी गतिविधियाँ- कलकत्ता में रहते हुए डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने अनुशीलन समिति और युगांतर जैसे विद्रोही संगठनों से अंग्रेजी सरकार से निपटने के लिए विभिन्न विधाएं सीखीं। अनुशीलन समिति की सदस्यता ग्रहण करने के साथ ही वह रामप्रसाद बिस्मिल के संपर्क में आ गए। केशब चक्रवर्ती के छद्म नाम का सहारा लेकर डॉ. हेडगेवार ने काकोरी कांड में भी भागीदारी निभाई थी, जिसके बाद वह भूमिगत हो गए थे। इस संगठन में अपने अनुभव के दौरान डॉ. हेडगेवार ने यह बात जान ली थी कि स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजी सरकार से लड़ रहे भारतीय विद्रोही अपने मकसद को पाने के लिए कितने ही सुदृढ क्यों ना हों, लेकिन फिर भी भारत जैसे देश में एक सशस्त्र विद्रोह को भड़काना संभव नहीं है। इसीलिए नागपुर वापस लौटने के बाद उनका सशस्त्र आंदोलनों से मोह भंग हो गया। नागपुर लौटने के बाद डॉ. हेडगेवार समाज सेवा और तिलक के साथ कांग्रेस पार्टी से मिलकर कांग्रेस के लिए कार्य करने लगे थे। कांग्रेस में रहते हुए वह डॉ. मुंज के और नजदीक आ गए थे, जो जल्द ही डॉ. हेडगेवार को हिंदू दर्शनशास्त्र में मार्गदर्शन देने लगे थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना- उन दिनों देश में आजादी की लड़ाई चल रही थी और सभी सचेत युवा उसमें अपनी सोच और क्षमता के हिसाब से भागीदारी निभा रहे थे। हेडगेवार भी शुरुआती दिनों में कांग्रेस में शामिल हो गए। सन 1921 के असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया और एक साल जेल में बिताया, लेकिन मिस्र के घटनाक्रम के बाद भारत में शुरू हुए धार्मिक-राजनीतिक ख़िलाफ़त आंदोलन के बाद उनका कांग्रेस से मन खिन्न हो गया। 1923 में सांप्रदायिक दंगों ने उन्हें पूरी तरह उग्र हिंदुत्व की ओर ढकेल दिया। वह हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. एस. मुंजे के संपर्क में शुरू से थे। मुंजे के अलावा हेडगेवार के व्यक्तित्व पर बाल गंगाधर तिलक और विनायक दामोदर सावरकर का बड़ा प्रभाव था। सावरकर ने ही हिंदुत्व को नए सिरे से परिभाषित किया था। वह मानते थे कि सिंधु नदी से पूर्व की ओर लोगों की विकास यात्रा के दौरान सनातनी, आर्यसमाजी, बौद्ध, जैन और सिक्ख धर्म समेत जितने भी धर्मों और धार्मिक धाराओं का जन्म हुआ, वह सभी हिंदुत्व के दायरे में आते हैं। उनके मुताबिक़ मुसलमान, ईसाई और यहूदी इस मिट्टी की उपज नहीं है और इसलिए इस मिट्टी के प्रति उनके मन में ऐसी भावना नहीं है, जो हिंदुओं के मन में होती है।

इसी परिभाषा के आधार पर केशव बलिराम हेडगेवार ने हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना की और उस परिकल्पना को साकार करने के लिए 1925 में विजयदशमी के दिन संघ की नींव रखी।

वह संघ के पहले सरसंघचालक बने। संघ की स्थापना के बाद उन्होंने उसके विस्तार की योजना बनाई और नागपुर में शाखा लगने लगी। भैय्याजी दाणी, बाबासाहेब आप्टे, बालासाहेब देवरस और मधुकर राव भागवत इसके शुरुआती सदस्य बने। इन्हें अलग-अलग प्रदेशों में प्रचारक की भूमिका सौंपी गई।

आरएसएस को राजनीति से दूर रखना- केशव बलिराम हेडगेवार ने शुरू से ही संघ को सक्रिय राजनीति से दूर रखा और सिर्फ सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों तक ही सीमित रखा। इसके पीछे एक सोची-समझी रणनीति थी। वह ऐसा नहीं चाहते थे कि संघ शुरुआत में ही ब्रितानी हुकूमत की नजरों में खटकने लगे और उसका विस्तार न हो सके। इसी से बचने के लिए उन्होंने संघ को राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने से रोका और उस पर सख्ती से अमल किया, लेकिन 1930 में जब महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन छेड़ा तो हेडगेवार ने संघ की सभी शाखाओं को पत्र लिखकर सूचित किया कि संघ आंदोलन में शामिल नहीं होगा। साथ ही यह भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति निजी हैसियत में इस अंदोलन में शामिल होना चाहता है तो हो सकता है। हेडगेवार खुद भी निजी तौर पर उसमें शामिल हुए थे।

डॉ. हेडगेवार का मानना था कि संगठन का प्राथमिक काम हिंदुओं को एक धागे में पिरो कर एक ताकतवर समूह के तौर पर विकसित करना है। हर रोज सुबह लगने वाली शाखा में कुछ खास नियमों का पालन होता। शरीर को फिट रखने के लिए व्यायाम और शारीरिक श्रम पर जोर दिया जाता। हिंदुत्व और हिंदू राष्ट्रवाद पर चर्चा होती। शिवाजी और मंगल पांडे जैसे हिंदू नायकों की कहानियां सुनाई जातीं। लक्ष्य साफ था संगठन के विस्तार के लिए आचार-विचार एक होना चाहिए।

व्यक्तित्व- डॉ. हेडगेवार के व्यक्तित्व को समग्रता व संपूर्णता में ही समझा जा सकता है। उनमें देश की स्वाधीनता के लिए एक विशेष आग्रह, दृष्टिकोण और दर्शन बाल्यकाल से ही सक्रिय थे। ऐसा लगता है कि जन्म से ही वे इस देश से, यहां की संस्कृति व परंपराओं से परिचित थे। यह निर्विवाद सत्य है कि उन्होंने संघ की स्थापना देश की स्वाधीनता तथा इसे परम वैभव पर पहुंचाने के उद्देश्य से ही की थी। इस कार्य के लिए उन्होंने समाज को वैसी ही दृष्टि दी, जैसी गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दी थी। हेडगेवार ने देश को उसके स्वरूप का बोध कराया। उन्होंने उस समय भी पूर्ण स्वाधीनता और पूंजीवाद से मुक्ति का विषय रखा था, जबकि माना जाता है कि कांग्रेस में वैसी कोई सोच नहीं थी।

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने संघ शाखा के माध्यम से राष्ट्र भक्तों की फौज खड़ी की। उन्होंने व्यक्ति की क्षमताओं को उभारने के लिए नए तौर-तरीके विकसित किए। सारी जिन्दगी लोगों को यही बताने का प्रयास किया कि नई चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें नए तरीकों से काम करना पड़ेगा, स्वयं को बदलना होगा, पुराने तरीके काम नहीं आएंगे। उनकी सोच युवाओं के व्यक्तित्व, बौद्धिक एवं शारीरिक क्षमता का विकास कर उन्हें एक आदर्श नागरिक बनाती है।

मृत्यु- 21 जून, 1940 को केशव बलिराम हेडगेवार का नागपुर में निधन हुआ। उनकी समाधि रेशम बाग़, नागपुर में स्थित है, जहाँ उनका अंत्येष्टि संस्कार हुआ था।

एसेट एलोकेशन फंड Emotional Investing का सामना कैसे करते हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपको लगता है कि कुछ महीने पहले इक्विटी में निवेश करना सही फैसला था, आपने अपना निवेश दोगुना कर दिया, और अब घाटे में हैं–तो आप अकेले नहीं हैं। और अगर आप सोच रहे हैं कि इस समय इस घाटे वाले एसेट क्लास से दूर रहना ही सबसे अच्छा है और आपने स्टॉक मार्केट से पैसा निकालना शुरू कर दिया है, तो आप भीड़ का हिस्सा बन रहे हैं। फियर ऑफ मिसिंग आउट के कारण ट्रेंडिंग इनवेस्टमेंट्स का पीछा करना स्वाभाविक है, और जब बाज़ार गिरता है, तो घबराकर नुकसान से बचने की कोशिश करना भी मानवीय प्रवृत्ति है।

लेकिन यही भावनात्मक निर्णय हमें ऊंचे दाम पर खरीदने और कम दाम पर बेचने के लिए मजबूर कर सकते हैं–एक आम निवेश संबंधी गलती जो हमारे रिटर्न को खा जाती है।

सोचिए, अगर आप निवेश करते समय अपनी भावनाओं पर काबू पा सकें? अगर कोई प्रोफेशनल आपके निवेश के फैसलों को भावनाओं के बजाय ठोस रिसर्च और आंकड़ों के आधार पर ले? कोई ऐसा व्यक्ति जो बाजार के उतार-चढ़ाव में निष्पक्ष रहकर, सही समय पर खरीद और बिक्री के फैसले कर सके। यहीं पर मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड्स या एसेट एलोकेशन फंड्स काम आते हैं।

ब्याज दरें, मुद्रास्फीति, बाजार मूल्यांकन और अन्य आर्थिक कारकों का विश्लेषण करके, ये फंड अपने पोर्टफोलियो को इक्विटी, डेट और गोल्ड में रणनीतिक रूप से विभाजित करते हैं। Overvalued एसेट्स से बाहर निकलकर जोखिम कम करते हैं। Undervalued एसेट्स में निवेश करके लॉन्ग-टर्म रिटर्न बढ़ाते हैं। कम कीमत पर खरीदते हैं और ऊंची कीमत पर बेचते हैं, जिससे बाजार चक्र का सही लाभ मिलता है।

मल्टी एसेट/एसेट एलोकेशन फंड्स निवेशकों को भावनात्मक फैसलों से बचाते हैं और भीड़ से अलग हटकर स्मार्ट इनवेस्टमेंट करने में मदद करते हैं। जैसा कि कहावत है– जब दूसरे लालची हों, तो डरे , और जब दूसरे डरे, तो लालची बनें।

इस बात को ध्यान में रखते हुए निवेशक भावनाओं से मुक्त, डेटा-ड्रिवन निवेश के लिए ICICI Prudential Asset Allocator Fund (FOF) पर विचार कर सकते हैं।

टाटा की इस कंपनी को सरकार से मिले 189 करोड़, विजय केडिया के पास हैं 23 लाख शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयर कल मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं। कंपनी के शेयरों में कल तेजी देखी जा सकती है। दरअसल, तेजस नेटवर्क्स को दूरसंचार और नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स के लिए प्रोडक्शन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत सरकार से 189.17 करोड़ रुपये की राशि मिली है। कंपनी ने इसकी जानकारी शेयर बाजार को दी है। बीते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 760 रुपये पर बंद हुए थे। इसमें 2त्न की गिरावट देखी गई थी।

कंपनी ने दी जानकारी

कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह राशि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली दो तिमाहियों के लिए प्रोत्साहन की पहली किस्त (85 प्रतिशत) है। कंपनी ने कहा कि बाकी राशि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार बाद में जारी किये जाने की उम्मीद है। तेजस नेटवर्क्स के अनुसार, ''कंपनी को 29 मार्च, 2025 को दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत संचार मंत्रालय, दूरसंचार विभाग से 189.17 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई है।''

बता दें कि तेजस नेटवर्क्स में शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक विजय केडिया की बड़ी हिस्सेदारी है। विजय केडिया के पास कंपनी के 23,00,000 शेयर यानी 1.31 फीसदी हिस्सेदारी है।

Income Tax से लेकर UPI तक, एक अप्रैल से कई नियमों में होंगे बदलाव; आप पर भी पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अप्रैल 2025 यानी मंगलवार से नए वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत हो रही है। इसके साथ ही वित्तीय और गैर-वित्तीय सेवाएं से जुड़े कई नियमों में बदलाव हो रहा है। इनमें आयकर और बचत पर मिलने वाले ब्याज से जुड़े नियमों में बदलाव प्रमुख है।

इन बदलावों का सीधे आपकी जेब पर असर पड़ेगा। इसके अलावा यूपीआई से जुड़े नियम में बदलाव से आपका लेनदेन प्रभावित हो सकता है। पढ़िए बिजनेस डेस्क की यह रिपोर्ट

नई टैक्स व्यवस्था- एक अप्रैल 2025 से करदाओं के लिए नई कर प्रणाली भी लागू हो रही है। एक फरवरी के बजट में पेश की गई इस कर प्रणाली में स्लैब की संख्या और आय की सीमा बढ़ाई गई है। हालांकि, यह नई कर प्रणाली करदाताओं के लिए स्वैच्छिक होगी।

करदाता आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए नई या पुरानी कर प्रणाली में से किसी भी एक का चयन कर सकते हैं। नई कर प्रणाली में किसी भी प्रकार के निवेश पर कर छूट नहीं है। पुरानी प्रणाली पहले की तरह ही रहेगी और इसमें सभी प्रकार के निवेश पर कर छूट का दावा किया जा सकेगा।

आप पर क्या होगा असरः एक अप्रैल से शुरू होने वाले नए वित्त वर्ष में वेतनभोगियों को 12.75 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 से नई कर प्रणाली का विकल्प चुनने वाले सभी करदाताओं की 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लेने की घोषणा की है। वेतनभोगियों को 75 हजार रुपये का अतिरिक्त स्टैंडर्ड डिडक्शन का लाभ मिलेगा।

बचत योजनाओं पर ज्यादा ब्याज का लाभ- एक अप्रैल से स्थायी जमा (एफडी), आवर्ती जमा (आरडी) और अन्य बचत योजनाओं के तहत गैर-कर योग्य ब्याज की सीमा बढ़ जाएगी। अगले वित्त वर्ष से वरिष्ठ नागरिकों को ब्याज से होने वाली एक लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं लगेगा।

प्राइमरी मार्केट में सूखा, इस हफ्ते नहीं ओपन हो रहा है कोई नया IPO, ये 3 हो जाएंगे बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्च की तरह लग रहा है कि अप्रैल के महीने में भी प्राइमरी मार्केट में सूखा ही छाया रहेगा। अभी तक किसी भी मेनबोर्ड आईपीओ के खुलने की जानकारी सामने नहीं आई है। जबकि एसएमई सेगमेंट में 3 कंपनियों के आईपीओ इस हफ्ते बंद हो रहे हैं। आइए इन 3 कंपनियों को जान लेते हैं जिनके आईपीओ पर दांव लगाने का मौका अभी भी निवेशकों के पास बचा है।

1- Retaggio Industries IPO- इस एसएमई आईपीओ का साइज 15.50 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 61.98 लाख शेयर जारी करेगी। आईपीओ 27 मार्च को खुल गया। निवेशकों के पास कंपनी के आईपीओ पर दांव लगाने के लिए 2 अप्रैल तक का मौका है।

कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 25 रुपये प्रति शेयर तय किया है। वहीं, 6000 शेयरों का एक लॉट बना है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 1,50,000 रुपये का दांव लगाना होगा। पहले दिन में कंपनी के आईपीओ को 0.84 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका था।

2-Spinaroo Commercial IPO - यह भी SME IPO ही है। इस आईपीओ का साइज 10.17 करोड़ रुपये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 19.94 लाख शेयर जारी करेगी। आईपीओ 28 मार्च को खुला है।

अप्रैल में कब–कब बंद रहेंगे बैंक?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अप्रैल में कब-कब क्लोज रहेंगे बैंक- देश की केंद्रीय बैंक यानी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मुताबिक हर रविवार को देश के प्राइवेट और सरकारी बैंक क्लोज रहेंगे। वहीं महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को भी निजी और सरकारी बैंकों में छुट्टी रहेगी।

अप्रैल में 14 दिनों तक बंद रहने वाले हैं। इनमें महीने के चार रविवार, दूसरे और चौथे शनिवार को भी शामिल किया गया है।

5 अप्रैल- इस दिन बाबू जगजीवन राम जयंती मनाया जाएगा। ये दिन सामाजिक न्याय के लिए लड़ने वाले बाबू जगजीवन की याद में सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिन देश के तमाम प्राइवेट और सरकारी बैंक क्लोज रहने वाले हैं।

10 अप्रैल- इस दिन देश में महावीर जयंती मनाया जाएगा। 10 अप्रैल को कर्नाटक, तमिलनाडु, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, महाराष्ट्र, और तेलंगाना जैसे राज्यों भी सभी निजी और सरकारी बैंकों की छुट्टी रहने वाली है।

14 अप्रैल- 14 अप्रैल के दिन अंबेडकर जयंती मनाया जाता है। इस दिन अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, छत्तीसगढ़, नई दिल्ली, मध्य प्रदेश, चंडीगढ़, मिजोरम,मेघालय और हिमाचल प्रदेश इत्यादि राज्यों के बैंक क्लोज रहेंगे।

वहीं केरल में विशु, तमिलनाडु में नववर्ष, बंगाल में पोइला बोइशाख, असम में बिहू उत्सव मनाया जाएगा। जिसके कारण यहां भी बैंक क्लोज रहने वाले हैं।

15 अप्रैल के दिन बंगाल में बिहू नववर्ष मनाया जाएगा। जिसके कारण असम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश राज्यों के निजी और सरकारी बैंक क्लोज रहने वाले हैं।

वहीं 21 अप्रैल को गरिया पूजा के अवसर पर त्रिपुरा में बैंक क्लोज रहेंगे। इसके साथ ही 29 अप्रैल को परशुराम जयंती के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के सभी बैंक क्लोज रहने वाले हैं।

इसके अलावा 30 अप्रैल को बसवा जयंती के दिन कर्नाटक में बैंक बंद रहेंगे।

19 दिन में पैसे डबल, इस पेनी स्टॉक ने चौंकाया, 2.48 से बढ़कर 6 पर पहुंचा भाव, लगातार खरीदने की लूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार के लिए पिछला कुछ महीना बेहद उतार - चढ़ाव वाला रहा। इस दौरान बाजार ने रिकॉर्ड गिरावट को देखा। हालांकि, इन दिनों यह रिकवरी मोड में है। बावजूद कई शेयर अपने आधे दाम से नीचे ट्रेड कर रहे हैं। इन सबके बीच कुछ पेनी स्टॉक ऐसे रहे, जिनमें बंपर तेजी देखी गई। इनमें से एक है- कोवेंस सॉफ्टसोल लिमिटेड के शेयर। कंपनी के शेयर में बीते शुक्रवार को 2त्न चढ़ गया था और यह 6.67 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया। यह इसका 52 वीक हाई प्राइस है।

महीनेभर में 170त्न तक चढ़ गया भाव - कोवेंस सॉफ्टसोल लिमिटेड के शेयर सिर्फ 19 कारोबारी दिन में 170त्न तक चढ़ गया। इस दौरान इसकी कीमत 2.48 रुपये (28 फरवरी 2025 का बंद प्राइस) से वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई। पांच दिन में यह शेयर 15त्न तक चढ़ गया है। इस साल अब तक यह शेयर 210त्न तक चढ़ गया। इस दौरान यह शेयर 2.16 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बरौनी एक्सप्रेस के पार्सल यान में लगी आग से सामान जला, धुआं देख घबराए यात्री

इटारसी। अहमदाबाद से बरौनी जा रही 19483 बरौनी एक्सप्रेस के पार्सल यान में सोमवार शाम आग लग गई। हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रेन बानापुरा-खुटवासा गांव के बीच से गुजर रही थी। सूचना मिलते ही ट्रेन को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर यहां रोका गया। ट्रेन करीब 2 बजे खंडवा से रवाना हुई थी, धरमकुंडी स्टेशन से रवाना होने के बाद खंभा नं. 724-12 के पास ट्रेन मैनेजर ने सबसे पीछे लगे पार्सल यान से धुआं उठते देखा, जिसके बाद लोको पायलेट को मैसेज कर ट्रेन को रोका गया।ट्रेन में आग लगने की सूचना के बाद यात्री भी घबरा गए। करीब सवा घंटे तक ट्रेन को यहां रोका गया। सूचना पर अग्निशामक यंत्रों की मदद से आग पर काबू करने का प्रयास किया गया।

इटारसी स्टेशन से 15 सदस्यीय दल भी मौके पर रवाना किया गया। रेलवे ने जल चुके यान को यहीं

काटकर अलग कर दिया, इसके बाद ट्रेन को इटारसी के लिए रवाना किया गया।

बताया गया है कि ट्रेन के सबसे आखिरी में लगे जनरेटर और पार्सल यान मं आग लगी थी। इस पार्सल यान में स्टील के बर्तनों से भरे कार्टन रखे हुए थे।

आग लगने की सूचना पर ट्रेन में मौजूद जनरेटर कार कर्मचारी भी बाहर आए, यहां डोलरिया पुलिस और आरपीएफ ने दमकल वाहन को सूचना दी, जिससे आग पर पूरी तरह काबू पाया गया।

आग की खबर से उड़ गए होश

यात्रियों के अनुसार ट्रेन जब अपनी रफ्तार में थी, तभी अचानक इसे खुटवासा के पास रोका गया।

ट्रेन मैनेजर और लोको पायलेट के साथ आसपास मौजूद रेलकर्मी घटनास्थल के लिए रवाना हुए।

जब ट्रेन में आग लगने की खबर पता चली तो कोच में सवार अन्य यात्री भी घबराकर बाहर आ गए।

आग लगने से पार्सल यान में रखा सारा सामान जल चुका है।

यात्रियों ने बताया कि यान से आग की लपटें उठ रही थीं, आग किस वजह से लगी, इसकी जानकारी नहीं लग सकी है।

घटना की जांच के लिए अधिकारियों ने जांच दल गठित करने की बात कही है। इटारसी आने पर भी ट्रेन को अटेंड किया गया है।

दस सालों से स्कूल नहीं आए गुरुजी, शिक्षा विभाग ने भी मान ली हार

भोपाल। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में शिक्षा विभाग के एक सहायक शिक्षक अपने ही विभाग के लिए चुनौती बन गए हैं। पिछले 10 वर्षों से स्कूल नहीं आने वाले इस शिक्षक को लेकर अब जिला शिक्षा अधिकारी ने भी हार मान ली है।

मामला जिले के कुम्हरा (जुड़वानी) गांव का है, जहां शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय में पढ़ाई के नाम पर महज खानापूर्ति हो रही है। परिजनों का आरोप है कि सहायक शिक्षक की अनुपस्थिति के कारण उनके बच्चों का भविष्य दांव पर लग गया है।स्कूल में शिक्षक की जगह अतिथि शिक्षक

कुम्हरा गांव की आबादी करीब एक हजार है। यहां का शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय कक्षा आठवीं तक के 120 छात्रों को शिक्षा देता है। इनमें से 115 छात्र कोल आदिवासी समुदाय से हैं। विद्यालय में प्राथमिक कक्षाओं की जिम्मेदारी संभालने वाले सहायक शिक्षक सरदार प्रसाद पांडेय पिछले 10 साल से स्कूल से गायब हैं।

वह सिरमौर एसडीएम कार्यालय में निर्वाचन प्रभारी के तौर पर अटैच हैं। उनकी जगह प्रशिक्षणहीन अतिथि शिक्षक स्कूल संभाल रहे हैं, जिससे पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

एसडीएम कार्यालय का अटैचमेंट आदेश-परिजनों का कहना है कि पांडेय को वापस स्कूल भेजने की मांग को लेकर सेमरिया संकुल प्रभारी महेश साकेत ने कुछ महीने पहले एसडीएम कार्यालय को पत्र लिखा था। लेकिन जवाब में उनकी मांग को दरकिनार करते हुए 22 अगस्त 2024 को पांडेय के परमानेंट अटैचमेंट का नया आदेश जारी कर दिया। सिरमौर एसडीएम आरके सिन्हा इस मुद्दे पर बात करने से कतराते दिखे।

जिला शिक्षा अधिकारी की मजबूरी-जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा गुप्ता ने कहा कि एसडीएम जैसे जिम्मेदार अधिकारी जब शिक्षकों को अटैच कर रहे हैं, तो मैं इसमें क्या कर सकता हूं।

उनका कहना है कि विभाग के प्रयासों के बावजूद कोई समाधान नहीं निकल रहा। पालक कम पढ़े-लिखे होने के कारण विरोध नहीं कर पा रहे, जिसका फायदा उठाकर शिक्षक अपनी सुविधानुसार नौकरी कर रहे हैं।

सरकार का रुख-मामला संज्ञान में आने पर स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव संजय गोयल ने कहा कि आपने प्रकरण उठाया है। मुझे जानकारी भेजें, मैं इसे दिखवाता हूं। अब देखना होगा कि क्या इस मामले में कोई कार्रवाई होती है या बच्चों का भविष्य यू ही अधर में लटका रहेगा।

5वीं और 8वीं के विद्यार्थियों को आए 90त्न से ज्यादा मार्क्स, लेकिन स्कूलों की लापरवाही से हो गए फेल

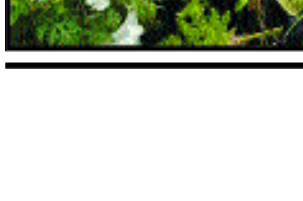

देवास । देवास शहर व अंचल के कई निजी व सरकारी स्कूलों की लापरवाही ने कक्षा पांचवीं व आठवीं के कई ऐसे होनहार विद्यार्थियों को फेल करवा दिया है जिन्होंने 90 प्रतिशत से भी अधिक अंक हासिल किये हैं। स्कूल प्रबंधनों द्वारा विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट व अर्द्धवार्षिक परीक्षा के नंबर पोर्टल पर दर्ज नहीं किए गए जिसके कारण विद्यार्थी इसमें फेल हो गए हैं।इस लापरवाही ने जिले के परीक्षा परिणाम को भी काफी हद तक प्रभावित किया है। प्रोजेक्ट व अर्द्धवार्षिक परीक्षा के अंकों को पोर्टल के दर्ज करने के बार-बार निर्देशों के बावजूद स्कूलों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। वहीं अधिक अंक आने के बावजूद विद्यार्थियों के फेल होने से पालकों में भी स्कूल प्रबंधन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। निजी स्कूल स्वयं करते हैं अंकों की इंट्री अर्द्धवार्षिक परीक्षा व प्रोजेक्ट के अंक दर्ज करने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा निजी स्कूलों को सुविधा दी गई है।

भोपाल में झूठा केस बनाने की धमकी देकर मांगे रुपये, महिला एसआई और हवलदार पर एफआईआर

भोपाल। सूखी सेवनिया थाने में तैनात महिला एसआई स्वाती दुबे और हवलदार मुकेश कटारिया पर लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है। दोनों पुलिसकर्मी एक ईंट भट्ठा मालिक को झूठे केस में फंसाने का डर दिखाकर 50 हजार रुपये मांग रहे थे।

सूखी सेवनिया में ईंटों का भट्ठा चलाने वाले मोहम्मद फारुख के यहां नन्नी बाई नाम की महिला काम करती है। पिछले दिनों उसका 14 वर्षीय नाती लापता हो गया, तो उसकी गुमशुदगी सूखीसेवनिया थाने में दर्ज कराई गई। बाद में वह बच्चा छतरपुर जिले में सकुशल मिल गया।50 हजार रुपये मांग रहे थे

उसी केस के नाम पर दोनों पुलिस वाले भट्ठा मालिक को परेशान करने लगे थे। लोकायुक्त की निरीक्षक उमा कुशवाह ने बताया कि मोहम्मद फारूक ने इसकी शिकायत की थी। उसमें बताया गया कि सूखी सेवनिया थाने की एसआई स्वाती दुबे और प्रधान आरक्षक उसे बच्चे के बरामद होने के बाद लगातार फोन कर उससे 50 हजार रुपये मांग रहे थे।10 हजार रुपये देना तय हुआ था

उनका कहना था कि रुपये नहीं

दिए तो उनके खिलाफ ही अपराध दर्ज किया जाएगा। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए लोकायुक्त पुलिस ने उनको टेप उपलब्ध कराया। इसकी मदद से दोनों पुलिस कर्मियों की बातचीत भी रिकार्ड होती रही। बाद में 10 हजार रुपये में सौदा तय हो गया था।

28 मार्च को लोकायुक्त पुलिस ने दोनों पुलिस कर्मियों को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ने के लिए जाल बिछाया था। उनको एक तय स्थान पर बुलाया गया, वे आए लेकिन वहां ट्रैप का संदेह होने पर वे भाग निकले।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा में एफआईआर-पुलिस सूत्रों का कहना है कि उनको लोकायुक्त कार्रवाई की सूचना मिल गई थी। बाद में लोकायुक्त पुलिस ने उनके खिलाफ मिले साक्ष्यों के आधार पर एसआई स्वाती दुबे और प्रधान आरक्षक मुकेश कटारिया पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज किया है।टीआई का भी नाम ले रहा है हवलदार

लोकायुक्त पुलिस को बातचीत का जो रिकॉर्ड हाथ लगा है, उसमें हवलदार मुकेश, सूखी सेवनिया के टीआइ रामबाबू चौधरी का भी नाम लेते सुनाई दे रहा है। वह रुपये टीआई को देने की बात कह रहा है, इस पर एफआईआर में उनके नाम का भी जिक्र किया गया हैं।

एफआईआर दर्ज की गई है-सूखीसेवनिया थाने की एक महिला एसआई और प्रधान आरक्षक पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

- दुर्गेश राठौर पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त

ग्वालियर में छुट्टी के दिन भी हुई 500 रजिस्ट्रियां, भीड़ इतनी कि पुलिस बुलाने की मांग

ग्वालियर। पुरानी कलेक्टर गाइडलाइन में रजिस्ट्री कराने के लिए पंजीयन कार्यालय में रविवार को भी जमकर भीड़ रही। रजिस्ट्री का आंकड़ा 500 पर पहुंच गया। सुबह से देर रात तक रजिस्ट्री होती रहीं। वहीं भीड़ को नियंत्रित करने में भी काफी परेशानी आई। नवरात्र के चलते अधिक संख्या में लोग रजिस्ट्री कराने आ रहे हैं।वहीं आज आखिरी दिन होने के चलते पंजीयन विभाग ने पुलिस फोर्स बुलाने की मांग की गई। जिसके चलते पंजीयन विभाग ने एसपी ग्वालियर को पत्र भी लिखा है। सोमवार को आखिरी दिन रजिस्ट्री का आंकड़ा और बढ़ने की उम्मीद है। एक अप्रैल से पुराने संपदा सॉफ्टवेयर पर काम बंद हो जाएगा।मंगलवार से लागू हो जाएगी गाइडलाइनजमीन की कीमतों में औसतन 25 प्रतिशत के लगभग वृद्धि हुई है, जो गाइडलाइन मंगलवार से लागू हो जाएगी। बता दें कि नई कलेक्टर गाइडलाइन हर साल की तरह एक अप्रैल को लागू होती है। इस बार भी ग्वालियर जिले में कुल लगभग 25 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी प्रस्तावित की गई है।प्रस्ताव भोपाल भेजे गए थेइसको लेकर शनिवार को भोपाल में केंद्रीय मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें अनुशंसा पर मुहर लग गई।

इंदौर जिले मे प्रारंभ हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान

जिले में जगह-जगह आयोजित किये गये कार्यक्रम

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार इंदौर जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान का आज शुभारंभ हुआ। पहले दिन आज जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिये जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किये गये। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार कराया जायेगा। साथ ही सघन वृक्षारोपण भी होगा। इसके लिए जिले में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। यह अभियान आगामी 30 जून तक सतत चलेगा।

यह अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रारंभ किया गया है। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि इस अभियान को सभी के सहयोग से जन आंदोलन के रूप में चलाया जायेगा। अभियान में जल संरक्षण के साथ ही वृक्षारोपण पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा। अभियान के तहत शुरूआत में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्त्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य किये जायेंगे। इस अभियान में जल स्त्रोतों और देवालयों की सफाई की योजना बनाई जाएगी। यह संतों, जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित होगा, जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया जाएगा । कार्य पूर्ण होने पर वरुण पूजन और जल अभिषेक होगा तथा रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय समुदायों को दी जाएगी।

यहाँ हुये कार्यक्रम- जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि अभियान के पहले दिन आज ग्रामीणों के सहयोग से विभिन्न ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर जिला पंचायत के माध्यम से जल संरक्षण संबंधी विभिन्न कार्यों की शुरूआत की गयी। आज जिले के महू जनपद पंचायत के ग्राम जामबुजुर्ग में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें तालाब निर्माण कार्य की शुरूआत की गयी। इसी तरह गाँव में वर्षा जल को सहजने के लिये बोल्डर चेकडेम के निर्माण भी प्रारंभ किये गये। इसी प्रकार रामपुरिया ग्राम में भी ग्रामीणो के सहयोग से चेकडेम निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया। अन्य ग्राम पंचायतों में भी कार्यक्रम आयोजित किये गये।

इसी प्रकार इंदौर जनपद के ग्राम झलारिया में तालाब की साफ-सफाई का काम हाथ में लिया गया। इसी जनपद पंचायत के ग्राम खुडैल खुर्द में भी तालाब की सफाई के कार्य की शुरुआत की गयी।

बनेंगे 19 नये अमृत सरोवर- जिले में गत वर्ष चलाये गये अभियान के तहत 101 नये अमृत सरोवर बनाये गये थे। इन सरोवरों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने की कार्यवाही की जायेगी।

किसानों से अपील- नरवाई न जलाएं, धरती बचाए

इंदौर। इंदौर जिले में किसानों से आग्रह किया गया है कि वे पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से नरवाई नहीं जलाये। नरवाई जलाना पर्यावरण, मानव जीवन और भूमि की उर्वरा शक्ति के लिये हानिकारक है। जिले में वर्तमान में गेहूं के साथ-साथ अन्य फसलों की कटाई का कार्य किया जा रहा है। कटाई के उपरांत खेतों में शेष अवशेषक (नरवाई) बचता है जिन्हें किसान अनुपयोगी समझकर आग लगाकर नष्ट कर देते है इससे भूमि की उर्वरा शक्ति कमजोर होती है एवं प्रदूषण फैलता है। उप संचालक कृषि श्री सी.एल.केवड़ा ने बताया कि नरवाई में लगभग नत्रजन 0.5 प्रतिशत, स्फुर 0.6 प्रतिशत और पोटाश 0.6 प्रतिशत पाया जाता है, जो नरवाई में जलकर नष्ट हो जाता है। भूमि में उपलब्धत जैव विविधता समाप्त हो जाती है अर्थात भूमि में उपस्थित लाभ दायक सूक्ष्म जीव एवं केचुआं आदि विभिन्न जीव जलकर नष्ट हो जाते है, जिससे भूमि की भौतिक दशा खराब हो जाती है। भूमि कठोर हो जाती है जिसके कारण भूमि की जलधारण क्षमता कम हो जाती है। फलस्वरूप फसलें जल्दी सूखती है। भूमि में होने वाली रासायनिक क्रियाएं भी प्रभावित होती है जैसे कार्बन, नाईट्रोजन एवं कार्बन फास्फोरस का अनुपात बिगड जाता है, जिससे पौधो को पोषक तत्व ग्रहण करने में कठिनाई होती है। कई बार नरवाई की आग फैलने से जनधन की हानि होती है एवं पेड़-पौधे जलकर नष्ट हो जाते है।

कृषि विभाग की ओर से ग्राम पंचायतों के सूचना पटलों पर पहले ही सूचना बनाम चेतावनी भी चस्पा की जा चुकी है। पंचायतवार कार्यक्रम बनाकर किसानों को नरवाई न जलाने की समझाइश दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेंट किया पत्रकारिता महोत्सव का निमंत्रण

इंदौर। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को आगामी 12, 13 एवं 14 अप्रैल 2025 को इंदौर में आयोजित सत्रहवें भारतीय पत्रकारिता महोत्सव का निमंत्रण भेंट किया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल इस अवसर पर विशेष रूप से मौजूद थे। महोत्सव के संयोजक सुदेश तिवारी ने बताया कि मूर्धन्य संपादकों की स्मृति में आयोजित महोत्सव इस मर्तबा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित है। महोत्सव में कुल नौ सत्रों में विभिन्न सम-सामयिक मुद्दों पर देश के जाने-माने पत्रकार अपने विचार रखेंगे। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने बताया कि महोत्सव के दौरान देश-प्रदेश एवं स्थानीय मीडियाकर्मियों का सम्मान किया जायेगा एवं देश भर के प्रमुख प्रेस क्लबों की साझा बैठक भी होगी। प्रतिनिधि मंडल में वरिष्ठ पत्रकार मनोहर लिम्बोदिया, संजीव श्रीवास्तव, आकाश चौकसे, गौरव चतुर्वेदी, गोविन्द लाहोटी 'कुमार', संजय मेहता एवं कार्तिक तिवारी शामिल थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

शासकीय दृष्टि एवं श्रवणबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

इंदौर। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित शासकीय दृष्टि एवं श्रवणबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दिव्यांगजन आवासीय परिसर, संस्कृति रायल सिटी रोड़ तालाब के सामने राऊ में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। इस संस्थान में शारीरिक दिव्यांग बालकों को जो 06 वर्ष एवं अधिक आयु समुह के हो, उन्हें नियमानुसार कक्षा 01ली से कक्षा 12वीं में शिक्षण हेतु प्रवेश दिया जायेगा। सत्र 2025-26 हेतु प्रवेश प्रारंभ हो गया है।

प्रवेश के लिए आवेदन के साथ शैक्षणिक योग्यता, अंतिम उत्तीर्ण कक्षा की अंकसूची की छायाप्रति, आय प्रमाण पत्र (तहसीलदार द्वारा जारी), दिव्यांगता का प्रमाण पत्र (कम से कम 40 प्रतिशत दिव्यांगता होना आवश्यक है), दिव्यांगता दर्शाते हुए 06 फोटो, मध्यप्रदेश के मूल निवासी का प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (डिजिटल), आधार कार्ड, समग्र सामाजिक सुरक्षा आई.डी., यू.डी.आय.डी., बैंक खाता आधार से लिंक किया हुआ और जन्म प्रमाण पत्र आदि की छायाप्रति लगाना होंगी।

इस संस्थान में इन्दौर नगर निगम सीमा से बाहर निवास करने वाले बालकों को प्रवेश पश्चात छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। बालक दैनिक दिनचर्या एवं नित्यकर्म (स्वयं रोजमर्रा के कार्य) करने में सक्षम होना चाहिए एवं किसी संक्रामक रोग से पीड़ित न हो । आवेदन पत्र कार्यालयीन समय में अवकाश दिवस को छोड़कर स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक द्वारा निःशुल्क प्राप्त किये जा सकते है । आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। आवेदन पत्र का वितरण शुरू गया है। विस्तृत जानकारी के लिए शासकीय दृष्टि एवं श्रवणबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आवासीय परिसर संस्कृति रायल सिटी रोड़ तालाब के सामने राऊ मोबाइल नम्बर 0731-2558032 से सम्पर्क किया जा सकता है।

56 दुकान पर कचरा कर रहीं 38 दुकानें, निगम ने डेढ़ लाख के चालान बनाए

इंदौर। 56 दुकान को स्वच्छता का तमगा दिया गया था, लेकिन समय के साथ यह स्थान अव्यवस्थाओं से भर गया। अब यहां गंदगी और कचरा साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। इसके अलावा, कुछ दुकानदार बिना लाइसेंस के भी दुकान चला रहे थे। इस स्थिति को सुधारने के लिए मोबाइल कोर्ट ने 56 दुकान और उसके आसपास के बाजारों में कार्रवाई की। इस दौरान, दुकानों के बाहर के कब्जे हटाए गए और गंदगी व कचरे के लिए 38 दुकानदारों के चालान बनाए गए। कुल मिलाकर डेढ़ लाख से ज्यादा की राशि वसूली गई। मोबाइल कोर्ट की कार्रवाई

मोबाइल कोर्ट की कार्रवाइयां कुछ दिनों से पुनः शुरू की गई हैं और विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश गुप्ता के निर्देश पर मोबाइल कोर्ट और निगम की टीम ने 56 दुकान और

आसपास के बाजारों में कार्रवाई की। इस दौरान कई दुकानदारों के पास लाइसेंस नहीं थे, जबकि कुछ स्थानों पर सड़कों तक कब्जे किए गए थे। इसके बाद निगम अधिकारियों ने 38 दुकानों के चालान किए और उनसे 1 लाख 58 हजार की राशि वसूली। इस कार्रवाई का अभियान 56 दुकान के अलावा आसपास के अन्य बाजारों में भी जारी रहा। कब्जे और अव्यवस्थाओं पर कार्रवाई मोबाइल कोर्ट की कार्रवाई के दौरान, कुछ दुकानों के बाहर तक सामान रखा गया था, जिससे रास्तों पर कब्जे की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। यह सब देखते हुए निगमकर्मियों ने दुकानदारों से सख्ती से कार्रवाई की। हालांकि, इस कार्रवाई के दौरान कुछ जगहों पर विवाद भी हुआ। दुकानदारों और निगमकर्मियों के बीच कहा-सुनी और झगड़े की स्थिति भी उत्पन्न हुई। इस तरह की घटनाओं के बावजूद कार्रवाई जारी रही, ताकि अव्यवस्था को रोका जा सके।

निगम की सख्त कार्यवाही और वसूली- निगम अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई के दौरान 38 से ज्यादा दुकानदारों के चालान बनाए गए, जिनसे कुल 1 लाख 58 हजार रुपए की राशि वसूली गई। इस प्रक्रिया के तहत दुकानों के बाहर के कब्जे हटाए गए और गंदगी के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए। निगम का उद्देश्य 56 दुकान और आसपास के बाजारों को साफ और व्यवस्थित बनाना है, ताकि यहां के लोग और दुकानदार बेहतर माहौल में काम कर सकें।

इंदौर में जमीन के विवाद में किसान की हत्या, पांच लोग गिरफ्तार

इंदौर। कनाड़िया गांव में एक किसान की पांच लोगों ने हत्या कर दी। आठ बीघा जमीन करोड़ों रुपये की थी और जिन लोगों को किसान परिवार ने जमीन खेती करने के लिए दी थी, वे उसका कब्जा नहीं छोड़ रहे थे। किसान ने इसकी शिकायत अफसरों को की थी। खेत पर कब्जा करने वाले किसान पर समझौता करने का दबाव बना रहे थे। शुक्रवार को किसान बाबूलाल उर्फ गब्बर परमार का शव खेत में मिला था। परिजनों ने हत्या की शंका जताई थी। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि बाबूलाल के पिता की आठ बीघा जमीन है। जिस पर बाबूलाल और उसके तीन भाई और दो बहनों

का हिस्सा है। हिस्सेदारों ने यह जमीन खेती के लिए मान सिंह परिहार और घनश्याम परिहार को दी थी। करोड़ों की कीमत होने के कारण आरोपी ने खेती का कब्जा छोड़ने से इनकार कर दिया। इसे लेकर बाबू सिंह का मान सिंह और घनश्याम से विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन आरोपियों ने बाबूलाल को रोका और उसके साथ मारपीट की। इस दौरान उसके सिर में अंदरुनी चोट आई। बाबूलाल जब घर नहीं लौटा तो शनिवार को परिजनों ने खोजबीन की। उसका शव खेत में पड़ा मिला।

पुलिस ने जांच के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बाबूलाल के पिता से जमीन अपने नाम करा ली थी, लेकिन बाबूलाल कलेक्टर कार्यालय में लगातार आरोपियों के खिलाफ शिकायत कर रहा था। आरोपी जमीन किसी बिल्डर को बेचना चाहते थे।

मौसम के मिजाज ने किया सबको हैरान, कभी गर्मी तो कभी ठंड

इंदौर। तापमान कई रंग दिखा रहा है। कभी ठंड तो कभी गर्मी महसूस हो रही है। 38 डिग्री से आगे जाने के बाद अब तापमान लगातार 35 डिग्री के नीचे चल रहा है। शनिवार को 2.5 डिग्री तापमान गिरकर 34.3 पर आ गया और रात का पारा भी 1.9 डिग्री गिरकर 19.6 पर आ गया। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक हवाओं का रुख उत्तरी होने से तापमान में कमी आई है, जो अगले कुछ दिनों तक बनी रहेगी। हालांकि कल की अपेक्षा आज तापमान में बढ़त दिखाई दे रही है। सुबह से गर्मी अधिक है और हवाओं में घुली ठंडक भी खत्म हो रही है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

समय और शिक्षा का सही उपयोग ही व्यक्ति को जीवन में सफल बनाता है- राज्यपाल

उज्जैन। सोमवार को राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल की अध्यक्षता में महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय का पांचवा दीक्षांत समारोह कालिदास संस्कृत अकादमी के पंडित सूर्य नारायण व्यास संकुल सभागृह में आयोजित किया गया।

राज्यपाल श्री पटेल ने समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय को ए प्लस ग्रेड मिला है उसकी बहुत सारी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि आज उन्हें इस समारोह में शामिल होकर अत्यंत खुशी प्राप्त हो रही है। उन्होंने उपाधि प्राप्त विद्यार्थीयों से कहा कि समय और शिक्षा का सही उपयोग ही व्यक्ति को जीवन में सफल बनाता है। आप जीवन में कितने ही सफल हो जाएं लेकिन कभी अपने माता-पिता को ना भूलें । क्योंकि वे अत्यंत कठोर परिश्रम करके आपका पालन पोषण करते हैं तथा आपको उत्तम शिक्षा दिक्षा दिलवाते हैं । संस्कृत भाषा विश्व की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। हमें यह संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचना है। हमारी भारतीय संस्कृति के खजाने में छुपे ज्ञान और विज्ञान को अपनी प्रतिभा से जन जन तक पहुंचाने का संकल्प आज समस्त उपाधी प्राप्तकर्ता लें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा शिक्षा व्यवस्था का दायरा मनुष्य से मानवता तक और अतीत से आधुनिकता तक विस्तारित किया है।

आज दीक्षित होने वाले विद्यार्थी ये प्रयास करें कि कैसे वे अपने ज्ञान का उपयोग वंचित लोगों के उद्धार में कर सकें । शिक्षा जगत पर समाज और राष्ट्र की बहुत सारी आशाएं टिकी हैं। विद्यार्थियों के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि वे आने वाले समय में भारत को पूर्णतः विकसित बनाने में अपना योगदान दें। वैदिक ज्ञान के उपयोग, महत्व और भावी संभावनाओं को किस प्रकार विस्तारित किया जाए इस हेतु कार्य संपादन करें। कभी भी यह न सोचें कि आप अकेले हैं बल्कि यह सोचे हैं कि आप अकेले ही काफी हैं जो संसार में ज्ञान के बल पर परिवर्तन ला सकते हैं। आज की पीढ़ी को संस्कृत और परंपराओं के ज्ञान की आवश्यकता है, क्योंकि अच्छे संस्कारों के अंकुरण से ही संस्कृति का रक्षण संभव है। विश्व के प्राचीन ज्ञान का बोध संस्कृत के माध्यम से ही संभव हो सकता है। संस्कृत शास्त्रों में करुणा संवेदना और संस्कृति का समावेश है। राज्यपाल ने अपनी ओर से सभी को शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा और सारस्वत अतिथि कुलपति महर्षि पतंजलि योग विश्वविद्यालय हरिद्वार आचार्य बालकृष्ण जी तथा केंद्रीय संस्कृत नाटक अकादमी नई दिल्ली की अध्यक्ष डॉ संध्या पुरेचा कार्यक्रम में शामिल हुए।

हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा सुंदरकांड कर मनाया

उज्जैन। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के तत्वाधान में हनुमान भक्त मंडली पीतमपुर द्वारा सुंदरकांड एवं भजन संध्या का कार्यक्रम उतरा मुखी हनुमान मंदिर बस स्टैंड तराना में संपन्न हुआ सर्वप्रथम प्रभु श्री राम के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन किया हनुमान जी महाराज का पूजन अर्चन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद मालवा प्रांत संगठन महामंत्री संजय यादव प्रांत कोषाध्यक्ष मुकेश पाटीदार राष्ट्रीय बजरंग दल उज्जैन जिला महामंत्री संतोष पाटीदार एचपी तहसील अध्यक्ष बहादुर पटेल गुलाब सीह मारसाहब लखन मालवीय राष्ट्रीय बजरंग दल तहसील अध्यक्ष विजेंद्र सिंह पवार मोकम सिंह गुर्जर नगर अध्यक्ष रोहित चंदना नरेंद्र नायक जयदीप अमृतिया अभिषेक शर्मा राजेश चांदना माखन गुर्जर पंकज कुमावत राजेश कुमावत अर्जुन गुर्जर कमल सिंह गुर्जर उपस्थित रहे।

उज्जैन मिल मजदुर संघ के पूर्व कोषाध्यक्ष स्व. श्री प्रकाशचंद्र कोठारी की पुण्यतिथि श्रद्धा सुमन अर्पित

उज्जैन। 31 मार्च सोमवार को उज्जैन मिल मजदुर संघ के पूर्व कोषाध्यक्ष स्व. श्री प्रकाशचंद्र कोठारी की 21वीं पुण्य तिथि उज्जैन मिल मजदुर संघ के पदाधिकारियों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित कर मनाई गई। अध्यक्षता उज्जैन मिल मजदुर संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह भदौरिया द्वारा की गई। संचालन रविन्द्र सिंह भदौरिया द्वारा किया गया। इस दौरान उज्जैन मिल मजदुर संघ के कोषाध्यक्ष संतोष सुनहरे, राकेश कोठारी, रमेशचंद शर्मा, रामनारायण जाटवा, मोतीलाल अखंड, किशोर भाटी आदि।

ईद की नमाज के बाद शहर काजी एवं मुस्लिम समाज का अभिनंदन किया

उज्जैन। पुरानी परंपरा के अनुसार ईद की नमाज अदा करने के बाद शहर काजी खलीकुर्रहमान साहब बग्घी में बैठकर घर तक जाते हैं। ईद की नमाज के बाद ईदगाह चौराहे पर शहर काजी एवं मुस्लिम समाज के वरिष्ठ जनों का भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा स्वागत कर उन्हें ईद की मुबारकबाद दी।फेडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष शेर खान भाई ने जानकारी देते हुए बताया कि ईद उल फितर के खुशी के मौके पर संगठन द्वारा स्वागत कर एकता का संदेश दिया है। आज के समय में जो लोग नफरत फैला रहे हैं उसे खत्म करने के लिए लगातार संगठन एकता का संदेश देने के लिए काम कर रहा है। इसी दौरान सभी ने गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस मौके पर राम त्यागी, शर्मा जी, कमल दादा, सरफराज, लक्ष्मी नारायण आदि संगठन के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

उज्जैन में हुआ दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन का शपथ अनुष्ठान पर्व 'मैं से हम की यात्रा'

मैं स्वयं जैन धर्म के बाईसवें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ के वंश यदुवंश का- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उज्जैन। भगवान महावीर स्वामी इस भूमि पर स्वयं तपस्या करने पधारे थे, उन्होंने यहाँ तपस्या की। यह वह पवित्र भूमि उज्जैन है। मैं स्वयं जैन धर्म के बाईसवें तीर्थंकर भगवान नेमीनाथ के वंश यदुवंश का हूँ। आज जैन समाज की देश की इतनी बड़ी संस्था का राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र काँसल बने हैं। मुझे खुशी है एक वर्ष पूर्व मैंने शपथ ली थी, आज देवेन्द्र काँसल और अश्विन कासलीवाल शपथ ले रहे हैं।

उक्त कथन दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के शपथ अनुष्ठान पर्व 'मैं से हम की यात्रा' के शिरोमणि अतिथि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप के शपथ समारोह में व्यक्त किए। आपने कहा कि समस्त धार्मिक नगरों में शराब बंदी होगी उसमें से एक उज्जैन भी एक शहर है। सभा का प्रारंभ नीता धवल, मोनिका जैन, संगीता जैन, प्रीति झांझरी और ललिता कासलीवाल के मंगलाचरण से हुआ। स्वागत भाषण उज्जयिनी मैन ग्रुप के अध्यक्ष प्रदीप पाण्ड्या ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र के सांसद अनिल फिरोजिया एवं उज्जैन उत्तर के विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा एवं मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध उद्योगपति स्नेहलता सोगानी उपस्थित रही।

इस अवसर पर फेडरेशन द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को प्रशस्ति पत्र एवं शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। अतिथियों का स्वागत पुष्पा कासलीवाल, राकेश विनायका, अमित कासलीवाल महावीर ट्रस्ट अध्यक्ष इंदौर एवं नितिन डोसी, प्रदीप झांझरी, नवीन जैन, दिलीप सोगानी, आशीष कासलीवाल, धर्मेन्द्र जैन, संजय दादा, प्रशांत जैन, आशीष जैन, डॉ. राजेश जैन, आशीष गोहिल, अभिषेक पोहा, अभिषेक विनायका आदि ने किया।

स्वागत नृत्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक के कलाकारों ने प्रस्तुत किया। सभा में फेडरेशन के विस्तृत कार्यों की विवेचना करते हुए शिरोमणि संरक्षिका पुष्पा कासलीवाल एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका ने भी संबोधित किया। वर्ष 2023-2024 का प्रतिवेदन महासचिव विपुल बाँझल ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर ध्वजारोहण आर. के. जैन रानेका इंदौर ने किया। प्रभु का चित्र अनावरण डॉ. सी. के. कासलीलवाल ने किया। दीप प्रज्जवलन कर समारोह का उद्घाटन अनिल जैन, मुकेश बाकलीवाल इंदौर एवं राजेन्द्र जैन खण्डवा ने किया। समन्वयक के रूप में कार्याध्यक्ष राजकुमार पाटौदी जैन समाज इंदौर के अध्यक्ष उपस्थित थे।

उज्जैन के यश को सुयश, वेट लिफ्टिंग में आए अव्वल

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय परिक्षेत्र की टीमों की विक्रम विवि के स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित संभाग स्तरीय वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में विक्रम विवि उज्जैन के यश यादव को सुयश प्राप्त हुआ है। प्रतियोगिता में यश ने अपने वर्ग में सर्वाधिक वजन उठाकर प्रथम स्थान हासिल किया।

टीम कोच व प्रबंधक प्रवेश यादव के अनुसार संभागीय स्पर्धा में चयनित हुए यश यादव 4 से 7 अप्रैल तक जम्मू कश्मीर विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय पावर लिफ्टिंग महिला-पुरूष में सहभागिता करने हेतु 1 अप्रैल को संध्या 4 बजे उज्जैन जंक्शन से प्रस्थान कर विक्रम विवि का प्रतिनिधित्व करेंगे। यश के पिता अजय यादव पेशे से कृषक व समाजसेवी है।

सूचना के अधिकार कानून के दुरुपयोग पर लगे रोक

उज्जैन। देश में सूचना के अधिकार कानून बनाने से आम जनता को बहुत लाभ हुआ है लेकिन कुछ लोग इसका दुरुपयोग करते हैं। एक ही विषय पर बार बार आवेदन लगाकर लोगों में भय उत्पन्न करते हैं। उन्हें डराते, धमकाते हैं। जिससे आमजन मानस दुःखी एवं प्रताड़ित होता है, अधिकारी और कर्मचारी वर्ग भी परेशान रहता है कि कार्यालय का कार्य करें या एक ही विषय की जानकारी बार बार देते रहे। अखिल भारतीय पुजारी महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पुजारी ने मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग को पत्र भेज कर कानून में संशोधन की आवश्यकता बताई हैं क्योंकि उज्जैन में इस कानून का दुरुपयोग किया जा रहा है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com